कार्यालय जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग।

पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई ब्रॉडगेज रेल लाईन परियोजना।

प्रस्तावना:– 126 किमी0 ऋषिकेश–कर्णप्रयाग नई ब्रॉडगेज रेल लाईन परियोजना का निर्माण उत्तराखण्ड के इतिहास में एक परिर्वतनकारी कदम है। उत्तराखण्ड का सम्पूर्ण पर्वतीय क्षेत्र इतने वर्षो बाद रेल से वंचित रहा है, उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति न केवल यहा के जन–जीवन को प्रभावित करती है बल्कि यहा आने वाले पर्यटन से जुडी आर्थिकी को भी प्रभावित करती है। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के प्रयासों को अप्रेक्षानुरूप सफलता नंही मिली है। पृथक राज्य की मांग का आधार ही पर्वतीय क्षेत्र के विकास की उत्कठां थी बाबजूद इसके राज्य निर्माण के बाद भी औद्योगिक इकाईयां इसी यातायात की असुविधा के कारण स्थापित नही हो पायी। प्रतिवर्ष दैवीय आपदाओं के कारण मोटर मार्गो के क्षतिग्रस्त होने से भी पर्वतीय क्षेत्र की अवसंरचनायें प्रभावित होती है। मात्र अवागमन के साधनों की बहाली में ही राज्य के संसाधनों का एक बडा भाग व्यय हो जाता है। इस कारण नियोजित विकास के लिए पूंजी अल्पता की स्थिति उत्पन हो जाती है। पर्वतीय क्षेत्रों में बरसात के मौसम में जगह–जगह सड़कें टूट जाती है जिसके फलस्वरूप कृषि उपज यही बर्बाद हो जाती है। स्थानीय युवा रोजगार की तलाश में मैदानों की और निकलता है, और फिर यहा की कठिनाईयों को देखते हुए वापस नही आता, जिसके कारण आज पर्वतीय क्षेत्रों के अधिकांश गांव वीरान हो चुके है, सीमावर्ती गांवों से भी पलायन होने के कारण सीमाओं पर घुसपैठ हो रही है, मैदानों से आने वाला सामान अति महंगा हो जाता है तथा मुलभूत वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने के साथ–साथ गंभीर रोगों से ग्रसित मनुष्यों को समय से उचित चिकित्सा लाभ न मिलने के कारण जन हानि भी होती है, मानसून वर्षा एवं आपदाओं के कारण प्रतिवर्ष इन मोटर मार्गो के क्षति होने के कारण प्रस्तावित रेल लाईन एक सर्वोत्तम विकल्प है क्योंकि इसका अधिकांश भाग सुरंगो में है, जिससे आपदाओं एंव बरसात का इस पर कोई प्रभाव नही पडेगा और पर्वतीय क्षेत्र में जन–जीवन सुचारू हो पायेगा, इस परियोजना से सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में क्रान्ति आयेगी, साथ ही सामरिक दृष्टि से भी यह परियोजना अति महत्वपूर्ण है, जो कि जनपद रूद्रप्रयाग तक आवागमन से सुगम बनायेगी।

क्षेत्र का सामाजिक आर्थिक परिवेश:– रेल परियोजना क्षेत्र रूद्रप्रयाग जनपद के अन्तर्गत आने वाले अर्जन से अच्छादित क्षेत्र में सभी जाति के लोग निवास करते है। परियोजना प्रभावित परिवारों के अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर है, पर्वतीय कृषि ही उनकी जिविका का मुख्य साधन है। कृषि में लागत लाभ अनुपात कम होने के कारण अधिकांश लोग रोजगार हेतु प्रवास कर गये है। उच्च शिक्षा की पूर्ति का एक मात्र साधन हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा केन्द्रिय विश्वविद्यालय है।

न्यूनतम भूमि का अर्जन:– ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना की मुख्य विशेषता है कि 126 किमी0 की पूरी लम्बाई का 83.92 प्रतिशत भाग सुरंगों से अच्छादित है। इस प्रकार पूरी परियोजना स्टेशनों व पूलों को छोडकर पूर्णतया भूमिगत है, इसलिए भूमि अधिग्रहण हेतु जो भी भूमि प्रस्तावित की गई है वह न्यूनतम है, फलस्वरूप सम्पूर्ण परियोजना सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल एवं उपयोगी है। यह रेल लाईन परियोजना जनपद रूद्रप्रयाग में तहसील रूद्रप्रयाग के दैजीमाण्डा ग्राम से प्रारम्भ होकर तहसील रूद्रप्रयाग के नगरासू ग्राम की परिसीमा तक विस्तृत है, जिसमें जनपद रूद्रप्रयाग के 10 ग्राम प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है, जिसका विवरण निम्नवत् है–

सारणी–1

क्र0 स0	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	अर्जन हेतु प्रस्तावित नाप भूमि को क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	हस्तांतरित सिविल भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	भूमि एवं भवन के अर्जन से प्रभावित कुटुम्बों की संख्या	ग्राम मात्र भूमि से प्रभावितों की संख्या	अनुसूचित जाति के प्रभावित कुटुम्ब
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	रूद्रप्रयाग	दैजीमाण्डा	0.892	1.096	0	17	-
2.		खांकरा	2.225	1.500	0	45	-
3.		नरकोटा	2.033	3.713	21	61	-
4.		पुनाड़	0.247	-	0	19	-
5.		तिलणी	3.564	1.507	2	43	2
6.		सुमेरपूर	6.019	2.772	23	127	1
7.		रतूडा	0.241	0.417	4	8	4
8.		मरोड़ा	1.258	1.712	0	101	0
9.		मवांणा	1.681	0.755	21	110	1
10.		नगरासू	5.294	2.954	40	120	2
योग–			**23.454**	**15.426**	**111**	**651**	**10**

सारणी–2

क्र0 स0	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	प्रस्तावित नाप भूमि (है0 में)	वन सम्पदा (वृक्षों की सं0)	उद्यान सम्पदा (वृक्षों की सं0)	वृक्षों का कुल योग
1	2	3	4	5	6	7
1.	रूद्रप्रयाग	दैजीमाण्डा	0.892	64	-	64
2.		खांकरा	2.225	21	-	21
3.		नरकोटा	2.033	110	76	186
4.		पुनाड़	0.247	70	20	90
5.		तिलणी	3.564	80	428	508
6.		सुमेरपूर	6.019	380	272	652
7.		रतूडा	0.241	43	40	83
8.		मरोड़ा	1.258	150	-	150
9.		मवांणा	1.681	167	-	167
10.		नगरासू	5.294	899	-	899
योग–			**23.454**	**1984**	**836**	**2820**

सारणी–3

प्रभावित होने वाली आधारभूत अवसंरचनायें

क्र0 स0	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	मोटर मार्ग	अस्पताल	पेयजल लाईन	पंचायत घर	बारात घर	अन्य
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
1.	रूद्रप्रयाग	दैजीमाण्डा	0	0	0	0	0	0
2.		खांकरा	0	0	0	0	0	0
3.		नरकोटा	0	0	0	0	0	0
4.		पुनाड़	0	0	1	0	0	0
5.		तिलणी	0	0	0	0	0	0
6.		सुमेरपूर	0	0	1	0	0	0
7.		रतूडा	0	0	1	0	0	0
8.		मरोड़ा	0	0	1	0	0	0
9.		मवांणा	0	0	1	0	0	0
10.		नगरासू	0	0	1	1	0	1 (विद्यालय भवन)
योग–			**0**	**0**	**6**	**1**	**0**	**1**

सारणी–4

क्र0 स0	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	कुल प्रभावितों की संख्या	गरीबी रेखा से नीचे के परिवार	प्रभावित गोशाला ओं की संख्या	विकलांग	अनुसूचित जाति	भूमिहीन होने वाले परिवारों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	रूद्रप्रयाग	दैजीमाण्डा	17	13	-	-	-	-
2.		खांकरा	45	28	-	-	-	-
3.		नरकोटा	61	56	-	-	-	-
4.		पुनाड़	19	-	-	-	-	-
5.		तिलणी	43	-	-	-	2	-
6.		सुमेरपूर	127	-	-	-	1	-
7.		रतूडा	8	-	2	-	8	-
8.		मरोड़ा	101	-	-	-	2	-
9.		मवांणा	110	-	3	-	1	-
10.		नगरासू	120	-	3	-	2	-
योग–			**651**	**97**	**8**	**-**	**16**	**-**